M. A. (Previous) Examination, 2001

HINDI

Paper-I

हिन्दी साहित्य का इतिहास

Time: 3 Hours] [Maximum Marks: 100

सभी प्रश्नो के अंक समान है।

1. 'आदिकाल' के नामकरण के संबंध में विभिन्न विद्वानों के मतों की समीक्षा करते हुए अपने मत का प्रगतिपादन कीजिए।

अथवा

'आदिकाल' की जो साहित्यिक सामग्री उपलब्ध है, उसका संक्षिप्त परिचय दीजिए।

2. 'हिन्दी' प्रेमाख्यानक काव्य-परम्परा' की प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए।

अथवा

'सन्त' शब्द का अर्थ स्पष्ट करते हुए 'सन्त काव्य' की व्रवृत्तियों का विवेचन कीजिए।

3. रीतिकालीन काव्य सामान्य सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'रीतिमुक्त' काव्य-धारा का परिचय देते हुए इा काव्य-धारा की विशेषताएँ बताइये।

PDF created with FinePrint pdfFactory trial version http://www.fineprint.com

4. हिन्दी की 'प्रगतिवादी काव्य-धारा' की भावगत एवंशिल्पगत विशेषताएँ स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'छायावाद' की परिभाषा देते हुए 'छायावादी काव्य-धारा' की विशेषताएँ उदाहरण सहित रेखांकित कीजिए।

5. हिन्दी कहानी का क्रमिक विकास करते हुए प्रमुख कहानीकारों के योगदान का मूल्यांकन कीजिए।

अथवा

निम्नलिखित में से किन्ही **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिये:

(i) खडी बोली के प्रारम्भिक गद्य लेखक

(ii) ऑचलिक उपन्यास

(iii) हिन्दी निबंध साहित्य का विकास

(iv) शुक्लोत्तर हिन्दी समालोचना

(v) प्रसाद युगीन हिन्दी नाटक

PDF created with FinePrint pdfFactory trial version http://www.fineprint.com